वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 264 शनिवार 14 फरवरी 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

@ पेज 2 पर

स्वस्थ राजस्थान का संकल्प तेजी से हो रहा साकार

बजट में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कल्याण के लिए 32 हजार 526 करोड़ रुपये, 2023-24 से 53 प्रतिशत अधिक आवंटन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की चिकित्सा सेवाएं हो रही और अधिक सुदृढ़ एवं बेहतर

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में चिकित्सा व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण एवं आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में राज्य बजट 2026-27 में स्वास्थ्य कल्याण के क्षेत्र में 32 हजार 526 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो वर्ष 2023-24 से 53 प्रतिशत अधिक है। यह राज्य सरकार की निरोगी एवं स्वस्थ राजस्थान की अवधारणा को धरातल पर उतारने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बजट में चिकित्सा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे का विस्तार, डिजिटल नवाचार, मानसिक स्वास्थ्य, निःशुल्क उपचार सहित विभिन्न क्षेत्रों पर फोकस कर उल्लेखनीय पहल की गई है।

6.52 करोड़ आभा आईडी जारी

राज्य सरकार द्वारा आरजीएचएस योजना, आयुष्मान वय वंदन योजना, मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी राजस्थान (दवा) योजना जैसी योजनाएं संचालित हैं, जो प्रदेश के प्रत्येक वर्ग को चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध करवा रही हैं। राजस्थान डिजीटल स्वास्थ्य मिशन तथा आयुष्मान भारत डिजीटल मिशन के अंतर्गत 6.52 करोड़ आभा आई.डी. जारी की गई हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की निर्बाध पहुंच सुनिश्चित हुई है। चिकित्सकीय क्षेत्र में नवाचारों के तहत ई-संजीवनी टेलीमेडिसन के माध्यम से 20.33 लाख मरीजों को परामर्श दिया गया। मुख्यमंत्री की मंशा है कि प्रदेशवासियों को विश्व स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में संसाधनों की कमी नहीं आने दी जाए। इसके तहत इस बार के बजट में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को 12 हजार 195 करोड़ रुपये, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के लिए 4 हजार 853 करोड़, परिवार कल्याण विभाग को एक हजार 798 करोड़, चिकित्सा एवं शिक्षा विभाग को 2 हजार 995 करोड़, आयुष के लिए 787.67 करोड़ तथा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण सहित कुल 32 हजार 526 करोड़ रुपये राज्य की चिकित्सकीय सुविधाओं के विस्तार पर व्यय किया जाएगा।

जे.के.लोन अस्पताल में बनेगा 500 बेड क्षमता का आईपीडी टॉवर

बजट के तहत जयपुर के मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकीय सुविधाओं के उन्नयन के लिए 865 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि सशक्त इमरजेंसी रेस्पॉन्स सिस्टम विकसित करते हुए शिशु मृत्यु दर को कम किया जाए। इस हेतु बच्चों को इलाज की बेहतर सुविधाओं के लिए जे.के.लोन अस्पताल में 500 बेड क्षमता के आईपीडी टॉवर की स्थापना की जाएगी। साथ ही, हॉस्पिटल में पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी विभाग बनाया जाएगा। इसके अतिरिक्त आरयूएचएस हॉस्पिटल में 200 बेड का पीडियाट्रिक आईपीडी मय निओनेटल आईसीयू भी विकसित किया जाएगा।

सड़क दुर्घटना में त्वरित उपचार के लिए राज सुरक्षा

राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि सड़क दुर्घटना, हार्ट अटैक, प्रसूति एवं अन्य आपात परिस्थितियों में मरीजों को त्वरित उपचार मिले। इसी कड़ी में सरकार द्वारा राज सुरक्षा योजना लागू की गई है, जिससे मरीजों को निकटतम चिकित्सा संस्थानों में त्वरित मेडिकल हेल्प मिल सके। इसके लिए 247 क्रिटिकल केयर कमाण्ड सेंटर की स्थापना, सीएचसी पर ईसीजी/टेली ईसीजी एवं थ्रोम्बोलिसिस की सुविधाएं तथा हाइवे पर रेस्ट एरिया में एम्बुलेंस तैनात की जाएगी। साथ ही, ट्रोमा सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए भी 150 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है। दुर्घटना में जान गवाने वाले मृतक के पार्थिव शरीर को मोर्चरी से घर तक निःशुल्क पहुंचाने के लिए भी मोक्ष वाहिनी योजना शुरू की जाएगी।

मेडिकल कॉलेजों में सुविधाओं का विस्तार

इस वर्ष के बजट में प्रदेश के अन्य मेडिकल कॉलेजों में भी स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया गया है। बजट में जोधपुर चिकित्सा महाविद्यालय के लिए 461 करोड़ रुपये, उदयपुर चिकित्सा महाविद्यालय के लिए 333 करोड़, कोटा चिकित्सा महाविद्यालय 341 करोड़, अजमेर चिकित्सा महाविद्यालय के लिए 345 करोड़, बीकानेर चिकित्सा महाविद्यालय के लिए 276 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है। इससे इन कॉलेजों में मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर, क्रिटिकल केयर तथा एमसीएच (ट्रोमा सर्जरी) के सुपर स्पेश्यलिटी कोर्स, अत्याधुनिक विश्राम गृह तथा स्वास्थ्य कर्मियों की क्षमता संवर्धन के लिए बेसिक लाइफ सपोर्ट ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना सहित विभिन्न कार्य करवाए जाएंगे।

पीएचसी, सीएचसी और उप स्वास्थ्य केंद्रों का किया जाएगा क्रमोन्नयन

राज्य सरकार प्रदेश के हर कोने में लोगों को मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध करवा रही है। राज्य की आर्थिक समीक्षा के अनुसार वर्तमान में 267 अस्पताल, 849 सीएचसी, 2 हजार 875 पीएचसी, 15 हजार 292 उपकेन्द्र तथा 638 आयुष्मान आरोग्य मंदिर सहित विभिन्न आयुर्वेद, होम्योपैथिक अस्पताल कार्यरत हैं। राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष के बजट में भी चिकित्सा संस्थानों की स्थापना, सीएचसी से उप जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नयन, पीएचसी से सीएचसी में क्रमोन्नयन, उप स्वास्थ्य केंद्र से आयुष्मान आरोग्य मंदिर में क्रमोन्नयन, नवीन उपस्वास्थ्य केंद्र तथा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण सहित विभिन्न कार्य करवाये जाएंगे।

असहाय, विमंदित, लावारिस रोगी को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा

राज्य सरकार द्वारा आमजन के निःशुल्क इलाज के लिए मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (मा) संचालित है। योजना में 2 हजार 179 हेल्थ पैकेज के तहत 25 लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की सुविधा है। इस योजना के अन्तर्गत 1 करोड़ 36 लाख परिवार पंजीकृत हैं। वर्ष 2025-26 के दौरान 15 लाख से अधिक व्यक्ति योजना से लाभान्वित हुए। योजना का विस्तार करते हुए इस बजट में मा योजना के तहत असहाय, विमंदित, लावारिस रोगी को भी निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का प्रावधान रखा गया है। साथ ही, योजना का लाभ सभी पात्र व्यक्तियों को दिलाने के लिए पंचायत स्तर पर आरोग्य शिविर का आयोजन किया जाएगा।

राज ममता प्रोग्राम से रखा जाएगा मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल

राज्य सरकार आमजन के मानसिक स्वास्थ्य का भी ख्याल रख रही है। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 5.51 करोड़ रोगियों का उपचार किया गया। बजट में भी मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष फोकस किया गया है। सभी के मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए सुलभ व गुणवत्तापूर्ण मानसिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए राज ममता प्रोग्राम चलाया जाएगा जिससे अवसाद, चिन्ता और आत्महत्या जैसी घटनाओं को रोका जा सकेगा। इस प्रोग्राम के तहत एसएमएस मेडिकल कॉलेज में ''सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन मेंटल हेल्थ'' की स्थापना की जाएगी। साथ ही, जिला मुख्यालयों पर भी ''मेंटल हेल्थ केयर सेल'' और जिला चिकित्सालयों पर मनोचिकित्सक के साथ साइकोलॉजिकल काउंसलर की सुविधा दी जाएगी। इसके अलावा उच्च माध्यमिक विद्यालयों में स्ट्रेस कम मेंटल हेल्थ काउंसलिंग और अवेयरनेस सेशन्स भी आयोजित करवाए जाएंगे।

प्रेमलता सोनी को राजस्थानी महिला लेखन सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

मरुधरा शोध संस्थान एवं हिन्दी प्रचार समिति, श्रीडूंगरगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में जयपुर की वरिष्ठ साहित्यकार प्रेमलता सोनी को इस वर्ष का 'श्रीसूर्य प्रकाश बिस्सा स्मृति राजस्थानी महिला लेखन सम्मान' प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें राजस्थानी भाषा और साहित्य के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया जा रहा है। प्रेमलता सोनी को यह सम्मान उनकी औपन्यासिक कृति 'खाइडा पार्किंग' के लिए प्रदान किया जाएगा, जिसे पाठकों और साहित्य प्रेमियों ने सराहा है। उनकी रचनाओं में राजस्थानी संस्कृति, लोकजीवन और सामाजिक सरोकारों का सशक्त चित्रण देखने को मिलता है। यह सम्मान 21 फरवरी को श्रीडूंगरगढ़ में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस समारोह के अवसर पर प्रदान किया जाएगा। समारोह में साहित्यकारों, शिक्षाविदों और भाषा प्रेमियों की उपस्थिति में उन्हें सम्मानित किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि इस सम्मान का उद्देश्य राजस्थानी भाषा के संवर्धन और महिला लेखन को प्रोत्साहित करना है।

कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट पिछले 10 वर्षों से नि:शुल्क भोजन वितरण करती आ रही है। ट्रस्ट की विभिन्न योजनाएं जैसे– 'निवाला', 'संवारे बचपन', 'परिंडा अभियान' एवं 'सफाई अभियान' निरंतर कार्यरत हैं। इसी क्रम में, मंगलवार, 10 फरवरी को 'वस्त्र बैंक' के माध्यम से जयपुर स्थित मानसरोवर की कच्ची बस्ती में महिलाओं और बच्चों को वस्त्र वितरित किए गए।

पर्यावरण जागरूकता के संदेश के साथ लिटिल चैंपियंस एकेडमी का वार्षिक उत्सव संपन्न

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

पुरानी धान मंडी स्थित लिटिल चैंपियंस एकेडमी में वार्षिक उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल की प्रधानाचार्या बबीता बडजात्या ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सुरजीत सिंह एवं सुमित्रा जी उपस्थित रहे। **मुख्य आकर्षण:** पर्यावरण संरक्षण का संकल्पः प्रधानाचार्या बबीता बडजात्या ने नन्हें बच्चों को पर्यावरण के महत्व के बारे में जानकारी दी। सभी उपस्थित लोगों ने दैनिक जीवन में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम करने और वृक्षारोपण कर प्रकृति की रक्षा करने का सामूहिक संकल्प लिया। **सांस्कृतिक प्रस्तुतियां:** अध्यापिका उमंग जैन और ईना गंगवाल के मार्गदर्शन में नन्हें विद्यार्थियों ने देशभक्ति और पर्यावरण जागरूकता पर आधारित मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों की इन प्रस्तुतियों ने आगंतुकों का मन मोह लिया और खूब वाहवाही बटोरी। **प्रतिभा सम्मान:** विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेता और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को गोल्ड मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। **उपस्थिति:** कार्यक्रम में देवश्री, अनीता मैम, मंजू, उषा पहाड़िया, रीमा सेठी सहित बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भाग लेकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। मंच का सफल संचालन खुशी जैन और सुरभि द्वारा किया गया।

आदिनाथ भगवान का केवल ज्ञान और श्रेयांसनाथ भगवान का जन्म-तप कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से संपन्न

फागी संवाददाता. शाबाश इंडिया

फागी। कस्बे सहित आसपास के क्षेत्र के जिनालयों में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान का केवल ज्ञान कल्याणक तथा 11वें तीर्थंकर श्रेयांसनाथ भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। फागी क्षेत्र के चकवाड़ा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेड़ा, लसाड़िया तथा लदाना सहित विभिन्न गांवों के जिनालयों में धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। राजस्थान जैन महासभा के मीडिया प्रवक्ता राजाबाबू गोधा ने बताया कि कस्बे के श्री मुनिसुव्रतनाथ जिनालय में प्रातः काल श्रीजी का अभिषेक किया गया। इसके पश्चात समाज द्वारा सामूहिक रूप से शांतिधारा की गई और अष्टद्रव्यों से पूजन कर विभिन्न तीर्थंकरों को अर्घ्य समर्पित किए गए। कार्यक्रम के दौरान आचार्य वर्धमान सागर महाराज, आचार्य इन्द्रनंदी महाराज, गणिनी आर्यिका विशुद्धमती माताजी, श्रुतमती माताजी एवं सुबोधमती माताजी सहित चौबीस तीर्थंकरों की वंदना की गई। श्रद्धालुओं ने आदिनाथ भगवान और श्रेयांसनाथ भगवान के चरणों में जयकारों के साथ सामूहिक अर्घ्य चढ़ाकर विश्व शांति, सुख-समृद्धि और सभी जीवों के कल्याण की मंगल कामना की। इस धार्मिक आयोजन में वयोवृद्ध कपूर चंद जैन (नला), मोहनलाल झंडा, भागचंद जैन (टीबा), कैलाश कासलीवाल, सौभागमल सिंघल, पदम टीबा, विमल कुमार चौधरी, सुविधी कडीला, मुकेश गिंदोढी, कमलेश चौधरी, राजाबाबू गोधा एवं महिला मंडल से प्रेम देवी पंसारी, कमला कासलीवाल, शोभा झंडा, रेखा झंडा, संगीता डेठानी, मंजू झंडा, पर्युषणा झंडा, गुणमाला झंडा, रेखा हांडीगांव, ललिता सिंघल, आशा बजाज, मधु गिंदोढी, सुनीता गिंदोढी, सुशीला झंडा एवं रिया जैन सहित बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थे।

'आतंकवाद छिन्द-छिन्द, भिन्द-भिन्द' और पारिवारिक एकता के मंत्रों से डडूका में गूंजी शांतिधारा

डडूका. शाबाश इंडिया

धर्मनगरी डडूका में आचार्य श्री विराग सागर जी महाराज की सुशिष्या आर्यिका श्री विश्वासश्री माताजी के सान्निध्य में शांतिधारा, प्रवचन श्रृंखला और आनंद यात्रा के माध्यम से अभूतपूर्व धर्म प्रभावना हो रही है। प्रातःकालीन शांतिधारा के समय जब माताजी 'आतंकवाद छिन्द-छिन्द, भिन्द-भिन्द' और 'पारिवारिक एकता कुरु-कुरु' जैसे मांगलिक मंत्रों का मुखरित स्वरों में उच्चारण करती हैं, तो भक्त भाव-विभोर होकर धर्म लाभ उठाते हैं। कल्याणक महोत्सव एवं अर्घ्य समर्पणः आज प्रातः मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ के जलाभिषेक के पश्चात माताजी के सान्निध्य में 11वें तीर्थंकर भगवान श्रेयांसनाथ के जन्म-तप कल्याणक तथा प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के केवलज्ञान दिवस पर भक्तिपूर्वक अर्घ्य समर्पित किए गए। अंजन से निरंजन की कथा प्रवचन श्रृंखला में माताजी ने 'अंजन से निरंजन' की कथा के माध्यम से श्रद्धा के महत्व को प्रतिपादित किया। उन्होंने कहा– 'यदि णमोकार महामंत्र पर अटूट विश्वास और श्रद्धा हो, तो अंजन चोर जैसा व्यक्ति भी 'जिनदत्त भक्त' बनकर मोक्ष मार्ग प्रशस्त कर सकता है। जब उसके लिए यह संभव है, तो हमारे लिए कुछ भी मुश्किल नहीं है।' सभा का शुभारंभ समाजजनों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। राजेंद्र कोठिया ने ईश वंदना और जिनवाणी स्तुति प्रस्तुत की। इस अवसर पर क्षुल्लिका श्री विकंठश्री माताजी ने भी अपना आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में समाज अध्यक्ष राजेश के. शाह ने सभी का आभार व्यक्त किया। आयोजन में राजेश शाह, धनपाल सेठ, धनपाल शाह, अजीत कोठिया, अजीत शाह, सूरजमल शाह, वस्तुपाल शाह, केसरीमल भरड़ा, भरत जैन, योगेश शाह, अशोक शाह, मुकेश शाह सहित बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं एवं महिला मंडल की सदस्य उपस्थित थीं।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'स्वस्तिक' की दुबई-यूएई यात्रा सानंद संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'स्वस्तिक' के 35 सदस्यों ने 5 फरवरी से 10 फरवरी, 2026 तक संयुक्त अरब अमीरात की छह दिवसीय विदेश यात्रा का आनंद लिया। ग्रुप के अध्यक्ष श्री सतीश बाकलीवाल ने बताया कि इस सफल यात्रा की रूपरेखा ग्रुप निदेशक श्री अशोक जैन - श्रीमती रश्मि जैन, श्री सरोज जैन, श्री प्रदीप सोनी और श्री सुशील जैन ने जनवरी माह में ही तैयार कर ली थी। टूर ऑपरेटर श्री पंकज बाकलीवाल के साथ मिलकर यात्रा के प्रत्येक पड़ाव को सूक्ष्मता से फाइनल किया गया। कार्यकारी अध्यक्ष श्री अमर चंद पाटनी ने जयपुर से ही ग्रुप के लिए विशेष बैनर और सभी साथियों के लिए कैप्स (टोपियों) की व्यवस्था सुनिश्चित की। दुबई में प्रवास के लिए प्रसिद्ध 'रॉयल अस्कोट होटल' में शानदार व्यवस्था रही। पूरी यात्रा के दौरान शुद्ध जैन भोजन और नाश्ते का विशेष प्रबंध रहा, जिससे सभी सदस्यों ने अपनी धार्मिक मयार्दाओं के अनुरूप यात्रा का पूर्ण आनंद लिया। ग्रुप ने दुबई, अबू धाबी और शारजाह के प्रमुख आकर्षणों का भ्रमण किया, जिनमें शामिल थेः बुर्ज खलीफा, दुबई मॉल, आया यूनिवर्स, मिरेकल गार्डन, क्रूज और डेजर्ट

सफारी, सी-वर्ल्ड, ग्लोबल विलेज और डेरा मॉल। भ्रमण के दौरान स्थानीय गाइड ने सभी स्थलों की विस्तृत जानकारी दी। साथियों ने दुबई के बाजारों से स्वर्ण आभूषण, मोबाइल और अन्य वस्तुओं की जमकर खरीदारी की। यात्रा की वापसी शारजाह एयरपोर्ट से जयपुर के लिए हुई। सभी कार्यक्रम पूरी तरह समयबद्ध रहे और ग्रुप के प्रत्येक सदस्य के आपसी सहयोग से यह टूर अत्यंत शानदार और यादगार रहा। सभी सदस्य सुरक्षित और सानंद जयपुर लौटे।

वेद ज्ञान

डीपफेक का धोखा

ललित गर्ग

डिजिटल युग में सूचना की गति जितनी तीव्र हुई है, उतनी ही तेजी से भ्रम, छल और दुष्प्रचार की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। कृत्रिम मेधा और 'डीपफेक' तकनीक ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। अब केवल शब्दों के हेरफेर से नहीं, बल्कि चेहरों और आवाजों के माध्यम से झूठ को इस तरह प्रस्तुत किया जा सकता है कि वह परम सत्य प्रतीत हो। यही कारण है कि भारत सरकार ने कृत्रिम मेधा जनित सामग्री के नियमन के लिए सूचना प्रौद्योगिकी नियमों को सख्त करने का निर्णय लिया है। नए नियमों के अंतर्गत सामाजिक मंचों की जिम्मेदारी को बढ़ाया गया है। अब उन्हें तकनीकी रूप से यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रत्येक उपयोगकर्ता को यह स्पष्ट जानकारी मिले कि उसके द्वारा देखी जा रही सामग्री वास्तविक है या कृत्रिम मेधा द्वारा निर्मित। इससे पारदर्शिता का एक मानक स्थापित होगा। साथ ही, तीन घंटे की समयसीमा यह संकेत देती है कि सरकार डिजिटल अपराधों की संहारक क्षमता को समझ रही है। किसी भ्रामक वीडियो के एक बार प्रसारित होने के बाद उसका खंडन अक्सर प्रभावहीन हो जाता है। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मौलिक अधिकार है, और जब भी नियमन की बात आती है, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि 'आपत्तिजनक' या 'भ्रामक' सामग्री की परिभाषा कौन तय करेगा? यदि नियमन की प्रक्रिया पारदर्शी नहीं होगी, तो इसके दुरुपयोग की आशंकाएं बनी रहेंगी। इसलिए, नियमन और स्वतंत्रता के बीच एक सूक्ष्म संतुलन बनाना अनिवार्य है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इन कठोर नियमों का प्रयोग केवल स्पष्ट रूप से परिभाषित दुष्प्रचार और अपराधों को रोकने के लिए हो। भारत के संदर्भ में यह विषय और भी संवेदनशील है क्योंकि यहां डिजिटल क्रांति ने अभूतपूर्व विस्तार पाया है। करोड़ों नए उपयोगकर्ता प्रतिवर्ष ऑनलाइन आ रहे हैं, जिनमें से अधिकांश को सुरक्षा की बुनियादी समझ नहीं है। यदि असली और नकली के बीच का भेद धुंधला हो गया, तो लोकतांत्रिक विमर्श ही संदिग्ध हो जाएगा। चुनावी शुचिता, सामाजिक सद्भाव और व्यक्तिगत प्रतिष्ठा सब पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

संपादकीय

प्रेम का बाजार और लुप्त होती आत्मिक गहराई

आज के इस भूमंडलीकृत समाज में प्रेम भी एक वैश्विक चलन बन चुका है। सूचना क्रांति के इस दौर में जहां अभिव्यक्ति के माध्यम बदल गए हैं, वहीं प्रेम भी बाजारीकरण की भेंट चढ़ चुका है। शहरी चकाचौंध से निकलकर 'वेलेंटाइन' संस्कृति अब कस्बों तक पसर चुकी है। आज की युवा पीढ़ी इसकी गिरफ्त में है और यह एक ऐसे उत्सव का रूप ले चुका है जो भारतीय जनमानस में अपनी पैठ बना रहा है। इस संस्कृति के पीछे कई ऐतिहासिक कथाएं प्रचलित हैं। रोमन कैथोलिक मत के अनुसार, संत वेलेंटाइन प्राचीन रोम के एक धर्मगुरु थे। उस समय सम्राट क्लॉडियस का मानना था कि अविवाहित युवक बेहतर सैनिक सिद्ध होते हैं, इसलिए उसने विवाह पर प्रतिबंध लगा दिया था। संत वेलेंटाइन ने इस क्रूर आदेश का विरोध किया और कई प्रेमियों के विवाह कराए, जिसके कारण 14 फरवरी को उन्हें मृत्युदंड दे दिया गया। एक अन्य किंवदंती के अनुसार, उन्होंने जेलर की दृष्टिहीन पुत्री को नेत्रदान किया और मृत्यु से पूर्व 'तुम्हारा वेलेंटाइन' लिखकर एक संदेश भेजा। इन्ही बलिदानों की स्मृति में विश्व भर में प्रेम दिवस मनाया जाने लगा। कुछ अन्य मान्यताओं के अनुसार, यह पर्व प्राचीन रोम के 'ल्युपरकेलिया' उत्सव का ईसाईकरण है, जो कृषि और समृद्धि से जुड़ा था। फ्रांस में इस दिन को पक्षियों के प्रजनन काल की शुरूआत माना जाता था, जिससे इसे प्रेम पर्व के रूप में ख्याति मिली। यूनान और रोम में 'इरोश' और 'क्युपिड' को प्रेम की देवी-देवता के रूप में पूजा जाने लगा। आज युवाओं में इसका उत्साह चरम पर है, जिसे वे प्रेम के इजहार का दिन मानते हैं किंतु चिंताजनक पहलू यह है कि आज की पीढ़ी प्रेम की वास्तविक परिभाषा भूलती जा रही है। प्रेम को अब एक दिन की सीमाओं में बांध दिया गया है। आज का प्रेम क्षणिक और 'बाजारू' हो गया है, जो आत्मिक जुड़ाव के बजाय बाहरी आकर्षण पर टिका है। जहां चीन में इसे 'नाइट्स ऑफ सेवेन्स' और जापान-कोरिया में 'श्वेत दिवस' के नाम से मनाया जाता है, वहीं भारत में यह केवल उपहारों और होटलों के व्यापार तक सीमित होता जा रहा है। भारतीय संस्कृति में प्रेम को परमात्मा का रूप माना गया है, किंतु वर्तमान की यह 'पाश्चात्य शैली' हमारे जीवन मूल्यों से मेल नहीं खाती। यह उत्सव अब भारतीय काव्यशास्त्र के 'मदनोत्सव' का विकृत स्वरूप प्रतीत होता है। प्राचीन समय में राधा-कृष्ण और मीरा का प्रेम आत्मा से संबंध रखता था, किंतु आज प्रेम को जेब की ताकत और उपहारों के मूल्य से तोला जाने लगा है। वेलेंटाइन के नाम पर समाज में जो उच्छृंखलता और दिखावा बढ़ा है, वह विचारणीय है। संपन्न वर्ग के साथ-साथ मध्यम और निम्न वर्ग भी इस मकड़जाल में फंसकर अपना समय और धन नष्ट कर रहा है। आज यदि आप महंगे उपहार या पार्टी देने में समर्थ नहीं हैं, तो प्रेम के अंत की आशंका बनी रहती है। यह कैसी विडंबना है कि जहां हृदय की शुद्धता होनी चाहिए, वहां धन की बोली लग रही है। आज की युवा पीढ़ी को प्रेम की गहराई का आभास नहीं है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

'डिजिटल मायाजाल'

डॉ. विशेष गुप्ता

पिछले दिनों गाजियाबाद में तीन नाबालिग बहनों ने अपने आवास की नौवीं मंजिल से कूदकर सामूहिक आत्महत्या कर ली। 12, 14 और 16 साल की यह आयु जीवन के सुनहरे सपने बुनने की होती है, लेकिन दुर्भाग्यवश आज का बचपन समाज और परिवार की वास्तविक दुनिया को छोड़कर आभासी दुनिया, गेमिंग और डिजिटल मीडिया की भयावह गिरफ्त में है। जांच में सामने आया कि ये तीनों बहनें कोरोना काल से ही 'कोरियाई लव गेम', 'के-ड्रामा' और संगीत की लत का शिकार थीं। वे कोरियाई संस्कृति से इस कदर प्रभावित थीं कि उन्होंने अपनी जीवनशैली और यहां तक कि अपने नाम भी उसी के अनुरूप बदल लिए थे। 'टास्क-बेस्ड' डिजिटल गेम्स ने उन्हें पहले किताबों से दूर किया और फिर उनकी वास्तविकता को ही लील लिया। लत का आलम यह था कि उन्होंने स्कूल जाना तक बंद कर दिया था। सुसाइड नोट में लिखे शब्द ''आई एम सॉरी पापा, मैं गेम नहीं छोड़ पा रही हूं'' साफ दर्शाते हैं कि ये किशोरियां एक सुनियोजित डिजिटल षड्यंत्र का शिकार थीं। गाजियाबाद की यह हृदयविदारक घटना उन अभिभावकों के लिए एक गंभीर चेतावनी है, जो यह मानकर निश्चिंत रहते हैं कि उनका बच्चा बंद कमरे में मोबाइल चला रहा है तो वह सुरक्षित है। साइबर एक्सपर्ट्स के अनुसार, टास्क-बेस्ड गेम्स में घातक डिजिटल कंटेंट को बच्चों तक बड़ी चतुराई से पहुंचाया जाता है। सर्वेक्षण बताते हैं कि किशोरों को बिटकॉइन या डिजिटल मुद्रा का लालच देकर भी ऐसे खतरनाक समुदायों का हिस्सा बनाया जा रहा है। हालिया आर्थिक सर्वेक्षण में भी यह स्वीकार किया गया है कि इंटरनेट मीडिया पर बढ़ती निर्भरता बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन को बुरी तरह प्रभावित कर रही है। डिजिटल खतरों से निपटने के लिए कई देशों ने कड़े कदम उठाए हैं। ऑस्ट्रेलिया और फिनलैंड में 15 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के कानून लागू हैं। फ्रांस, ब्रिटेन, डेनमार्क और ग्रीस भी इसी राह पर हैं। भारत की स्थिति और भी विकट है, जहां एक अरब से अधिक इंटरनेट यूजर्स हैं और उनमें से एक बड़ा हिस्सा किशोरों का है। अत्यधिक स्क्रीन टाइम के कारण बच्चों में अनिद्रा, एकाग्रता की कमी, घबराहट, अवसाद और 'साइबर बुलिंग' के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जिसका सीधा असर उनके शैक्षणिक प्रदर्शन पर पड़ रहा है। आज संयुक्त परिवारों के विखंडन ने बचपन को सबसे अधिक प्रभावित किया है। दादा-दादी और नाना-नानी की कहानियों वाला बचपन अब कंप्यूटर, मोबाइल और वीडियो गेम्स की मशीनी दुनिया में सिमट गया है। माता-पिता पर बढ़ते आर्थिक दबाव के कारण उनके पास बच्चों को सही-गलत का बोध कराने का समय नहीं है। स्कूल और परिवार, जो कभी नैतिक मूल्यों के केंद्र थे, अब बच्चों से दूर होते जा रहे हैं। 21वीं सदी के इस दौर में पारस्परिकता, प्रेम, सहानुभूति और मानवीय संवेदना जैसे मूल्यों का अभाव खटकता है। संचार माध्यमों ने बच्चों को मात्र एक 'उपभोक्ता' बना दिया है। इस गलाकाट प्रतिस्पर्धा में बच्चों के भीतर सफलता की तीव्र इच्छा तो है, लेकिन असफलता झेलने के लिए धैर्य और संयम बिल्कुल नहीं है। डिजिटल मीडिया ने उनके विवेक को शून्य कर दिया है। बच्चों के जीवन से इस घातक रोमांच को समाप्त करने और 'स्क्रीन टाइम' कम करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। हमें बच्चों के एकाकीपन, तनाव और कुंठा को पहचानकर उनकी ऊर्जा को रचनात्मक गतिविधियों और खेलकूद की ओर मोड़ना होगा।

सेंट्रल बैंक के एमडी एवं सीईओ कल्याण कुमार का जयपुर में भव्य अभिनंदन

जयपुर. शाबाश इंडिया

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ कल्याण कुमार का सुदर्शनपुरा औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर में भव्य स्वागत किया गया। बैंक के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी एवं समाज गौरव श्रेष्ठी पदम जैन बिलाला द्वारा आयोजित एक निजी कार्यक्रम में यह गरिमामय अभिनंदन समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर एमडी के साथ बैंक के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एम.वी. मुरलीकृष्ण, निदेशक बी. पुरुषार्था, एस.के. होता, पी.पी. खिमानी, एम. दास, सीजीएम वशति जी, महाप्रबंधक पोप्पी, एस.आर. तुन्दवाल सहित बैंकिंग जगत के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। पदम जैन बिलाला ने सभी अतिथियों का तिलक लगाकर, पुष्प गुच्छ भेंट कर और दुपट्टा पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। एमडी कल्याण कुमार ने बिलाला परिवार के सदस्यों– पारस बिलाला, दीपिका जैन, श्रुति सिंघल, विकास गुप्ता और खितेश शर्मा से भेंट की। इस दौरान उन्होंने भावुक होते हुए कहा, 'आज हम अपने बैंक के एक वरिष्ठ साथी (पदम जैन बिलाला) से मिलकर स्वयं को गौरवान्वित अनुभव कर रहे हैं।'

उपस्थिति

कार्यक्रम में पीयूष गोयल, मनोज कुमार, यश गुप्ता, योगेश मालव, रुचिता मालू, दिनेश शर्मा सहित कई गणमान्य नागरिक और बैंक अधिकारी उपस्थित रहे।

वैलेंटाइन डे : करुणा और संयम का संदेश

डॉ. अखिल बंसल, जयपुर. शाबाश इंडिया

वैलेंटाइन डे को सामान्यतः मात्र प्रेम-प्रदर्शन के दिवस के रूप में देखा जाता है, किंतु यदि इसे जैन दर्शन की दृष्टि से समझा जाए, तो प्रेम का अर्थ कहीं अधिक व्यापक और गहन हो जाता है। जैन परंपरा में प्रेम केवल आकर्षण नहीं, बल्कि अहिंसा, करुणा, मैत्री और संयम का सात्विक भाव है। जैन दर्शन के अनुसार सच्चा प्रेम वही है जिसमें किसी भी जीव को पीड़ा न पहुँचे–न शारीरिक, न मानसिक और न ही भावनात्मक। प्रेम यदि अपेक्षा, अधिकार या स्वार्थ से जुड़ जाए, तो वह बंधन बन जाता है; इसके विपरीत, संयम से युक्त प्रेम आत्मिक उन्नति का माध्यम बनता है। वर्तमान समय में वैलेंटाइन डे का स्वरूप बाजारीकरण और तात्कालिक भावनाओं तक सीमित होता जा रहा है। उपहारों और प्रदर्शन के शोर में प्रेम का मूल तत्व–संवेदना–गौण होता जा रहा है। जैन जीवन-दृष्टि इस भौतिकवादी प्रवृत्ति पर प्रश्नचिह्न लगाती है और प्रेम को आत्मसंयम से जोड़ती है। जैन आगमों में मैत्री, प्रमोद, करुणा और माध्यस्थ्य–ये चार भावनाएँ सामाजिक जीवन की आधारशिला मानी गई हैं। यदि वैलेंटाइन डे इन भावों की स्मृति का अवसर बने, तो यह केवल व्यक्तिगत प्रेम का नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज के कल्याण का पर्व बन सकता है। प्रेम का सर्वोच्च रूप वही है जो दूसरों के अस्तित्व का सम्मान करे, उनकी स्वतंत्रता को स्वीकार करे और आत्मिक शुद्धता की ओर ले जाए। जैन दृष्टि में प्रेम बाह्य आकर्षण नहीं, बल्कि अंतःकरण की पवित्र भावना है। अतः वैलेंटाइन डे को विरोध या अंधानुकरण के बजाय आत्ममंथन का अवसर बनाना चाहिए कि हमारे संबंध अहिंसा, संयम और करुणा से कितने जुड़े हैं। जब प्रेम इन शाश्वत मूल्यों से युक्त होता है, तभी वह कल्याणकारी और स्थायी बनता है। यही जैन दर्शन का वास्तविक प्रेम संदेश है।

मेडिटेशन गुरु उपाध्यायश्री विहसंत सागर महाराज का जयपुर हाउस में मंगल प्रवेश; 51 थालियों से हुआ ऐतिहासिक स्वागत

आगरा (शुभम जैन). शाबाश इंडिया। जैन समाज के लिए आस्था, साधना और स्वाध्याय से परिपूर्ण क्षण उस समय साकार हो उठे, जब मेडिटेशन गुरु उपाध्यायश्री विहसंत सागर जी महाराज ससंघ ने शुक्रवार, 13 फरवरी को भव्य मंगल प्रवेश किया। महाराज श्री ने प्रातः 8 बजे बैंड-बाजों के साथ श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर (राजा की मंडी) से पद विहार करते हुए श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर (जयपुर हाउस, टीचर्स कॉलोनी) में प्रवेश किया। जयपुर हाउस जैन समाज ने 51 थालियों के साथ उपाध्याय संघ का ऐतिहासिक और भावपूर्ण स्वागत किया। पूरा वातावरण 'जय जिनेन्द्र' के उद्घोष, मंगल वाद्य और भक्ति-भाव से गूंज उठा। मंगल प्रवेश के पश्चात उपाध्यायश्री ने मंदिर में विराजमान भगवान शांतिनाथ सहित सभी प्रतिमाओं के दर्शन व वंदना की। उपस्थित श्रद्धालुओं को अपनी अमृतमयी मंगल देशना से मार्गदर्शन प्रदान करते हुए उन्होंने संयम, साधना और स्वाध्याय का संदेश दिया, जिसे सुनकर भक्तगण भाव-विभोर हो उठे। इस अवसर पर समाजजनों ने श्रीफल अर्पित कर गुरुदेव का आशीर्वाद प्राप्त किया। मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि उपाध्यायश्री के पावन सान्निध्य में 14 फरवरी को भगवान मुनिसुव्रतनाथ के मोक्ष कल्याणक के उपलक्ष्य में प्रातः 8:00 बजे से 'मुनिसुव्रतनाथ विधान' का आयोजन होगा। इसी क्रम में, सायंकाल में बल्केश्वर मंदिर में आयोजित होने वाले पंचकल्याणक महोत्सव के पात्र बने माता-पिता का सम्मान एवं गोद भराई का कार्यक्रम संपन्न होगा। कार्यक्रम में मंदिर अध्यक्ष राकेश जैन (पदेवाले), दीपक जैन, अजय जैन, नीरज जैन 'जिनवाणी', अजय बैनाड़ा, राजीव जैन, राहुल जैन, बॉबी जैन, अखिल जैन, अमित जैन, विकास जैन, प्रियंक जैन, संजीव जैन, मजीत जैन, अजित जैन सहित जयपुर हाउस जैन समाज के सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। संपूर्ण आयोजन गुरु-भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत रहा।

देव पूजा पुण्य प्राप्ति का सरल आलम्बनः आर्यिका नंदीश्वरमती

मानसरोवर जैन मंदिर में 14-15 फरवरी को आयोजित होगा द्विदिवसीय वार्षिक महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया

वरुण पथ, मानसरोवर स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए आर्यिका नंदीश्वरमती माताजी ने कहा कि श्रावक का प्रथम और अनिवार्य कर्तव्य देव पूजा है। उन्होंने भारतीय संस्कृति के आदर्शों का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्व में परंपरा थी– 'पहले देव पूजा, फिर काम दूजा', किंतु वर्तमान में लोग पहले 'पेट पूजा' और फिर अन्य कार्यों को प्राथमिकता देते हैं। माताजी ने जोर देकर कहा कि देव पूजा केवल एक क्रिया नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि, पापों के क्षय और पुण्य अर्जन का सबसे सरल आलम्बन है। दिगंबर जैन मंदिर समिति के संगठन मंत्री सुनील जैन गंगवाल ने बताया कि 14 और 15 फरवरी को मंदिर का द्विदिवसीय वार्षिक महोत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा।

प्रथम दिन (14 फरवरी): कार्यक्रम का शुभारंभ झंडारोहण से होगा, जिसके पश्चात भगवान महावीर स्वामी का विधान पूजन किया जाएगा। संध्याकाल में संगीतमय वाद्ययंत्रों और दीपकों के साथ 'भक्तामर स्तोत्र' का पाठ आयोजित होगा।

द्वितीय दिन (15 फरवरी): मानस्तंभ वेदी पर विराजमान प्रतिमाओं का इंद्रों द्वारा अभिषेक एवं शांतिधारा की जाएगी।

इस धर्मसभा और आयोजन की तैयारियों में समिति अध्यक्ष जे.के. जैन, मंत्री ज्ञान बिलाला, हेमेन्द्र सेठी, राजेंद्र सोनी, सुनील गोधा, संतोष कासलीवाल, सतीश कासलीवाल, विनोद जैन, नवीन बाकलीवाल सहित अनेक गणमान्य श्रावक उपस्थित रहे।

स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस एंबेसडर प्रशिक्षण का हुआ समापन

संभागियों को मॉड्यूल बुक का किया गया वितरण

रायपुर (भीलवाड़ा). शाबाश इंडिया

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), शाहपुरा के निदेर्शानुसार, रायपुर ब्लॉक के शिक्षकों हेतु आयोजित चार दिवसीय 'स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस एंबेसडर' प्रशिक्षण शिविर का शुक्रवार को विधिवत समापन हुआ। समापन समारोह राजकीय संस्कृत उच्च प्राथमिक विद्यालय (घाटी), रायपुर के संदर्भ कक्ष में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण के समापन समारोह की अध्यक्षता सीबीईओ नरोत्तम कुमार दाधीच ने की। मुख्य अतिथि के रूप में डाइट शाहपुरा के वरिष्ठ व्याख्याता अनिल कुमार मोहनपुरिया एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में एडीपीसी कार्यालय भीलवाड़ा के कार्यक्रम प्रभारी सुरेश कोली उपस्थित रहे। अनिल कुमार मोहनपुरिया ने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य, अच्छे संस्कार और अंधविश्वास के प्रति सजग करें। सुरेश कोली ने आधुनिक समय में साइबर अपराधों से बचने के व्यावहारिक उपाय साझा किए। सीबीईओ दाधीच ने प्रशिक्षण की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए शिक्षकों को विद्यालयों में इस कार्यक्रम के सफल संचालन और नवाचार करने हेतु प्रेरित किया। प्रशिक्षक नवीन कुमार बाबेल ने प्रशिक्षण के अंतिम दिन मॉड्यूल शिक्षण के साथ-साथ शिक्षकों को स्वरचित 'राज शपथ' (कुरीतियों के अंत की शपथ) दिलाई। इस शपथ के माध्यम से बाल विवाह रोकने, नशा मुक्ति, बेटी बचाने और अंधविश्वास दूर करने का संकल्प लिया गया। प्रशिक्षक पूनम जीनगर ने हिंसा के विभिन्न प्रकारों और उनकी रोकथाम पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में सभी संभागियों को विभाग द्वारा प्रकाशित 'मॉड्यूल बुक' प्रदान की गई। शिविर प्रभारी सत्यनारायण तातेला ने सभी का आभार व्यक्त किया। आरपी कान्हा राम ने बताया कि यह गैर-आवासीय प्रशिक्षण 10 से 13 फरवरी तक सुचारू रूप से संचालित हुआ।

श्री शांतिनाथ महामंडल विधान के साथ 'आदिश्वर धाम' मंदिर निर्माण का हुआ शिलान्यास

आदिश्वर धाम का तेजी से होगा निमार्णः राकेश कांसल

निर्माण काल के दौरान निरंतर चलता रहेगा भक्तामर मंडल विधानः विजय धुर्रा

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

सुभाष गंज स्थित 'आदिश्वर धाम' में श्री शांतिनाथ महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ के साथ नवीन जैन मंदिर का निर्माण कार्य विधि-विधान पूर्वक प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान के अभिषेक और विश्व कल्याण की भावना के साथ की गई महाशांतिधारा से हुआ। शांतिधारा का सौभाग्य जैन समाज के अध्यक्ष राकेश कांसल एवं उनके परिवार (राजकुमार कांसल, विकास रिक्कू, भारत, महेश घमंडी, उमेश सिंघई) सहित अन्य भक्तों को प्राप्त हुआ। समाज के अध्यक्ष राकेश कांसल ने संबोधित करते हुए कहा कि निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के आशीर्वाद और मार्गदर्शन में मंदिर निर्माण कार्य को गति दी जा रही है। उन्होंने बताया कि यह भव्य जिनालय तीन खंडों (मंजिलों) में विभक्त होगाः प्रथम तलः भगवान आदिनाथ की विशाल प्रतिमा स्थापित की जाएगी। द्वितीय तलः भगवान मुनिसुव्रतनाथ स्वामी का समवशरण विराजमान होगा। तृतीय तलः भगवान चंद्रप्रभु स्वामी, भगवान महावीर स्वामी और भगवान शांतिनाथ स्वामी विराजमान होंगे। जैन समाज के मंत्री शैलेंद्र श्रागर ने मधुर भजनों के साथ मंगलाष्टक का पाठ किया और कहा कि मुनि पुंगव के आशीर्वाद से हम मंदिर निर्माण को शीघ्रता से पूर्ण करेंगे। वहीं, महामंत्री विजय धुर्रा ने घोषणा की कि मंदिर निर्माण के दौरान यहाँ प्रतिदिन 'श्री भक्तामर मंडल विधान' आयोजित किया जाएगा। उन्होंने नगर के प्रत्येक परिवार से अपनी निश्चित तिथि पर सपरिवार इस भक्ति प्रवाह में सम्मिलित होने का आह्वान किया।कार्यक्रम के प्रारंभ में आचार्य भगवंत गुरुवर श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन संयोजक उमेश सिंघई, शैलेंद्र श्रागर, राजेश कांसल और महेश घमंडी द्वारा किया गया। इसके पश्चात संगीत की मधुर लहरियों पर नाचते-गाते हुए भक्तों ने मंडल पर श्रीफल और अर्घ्य समर्पित किए। बड़ी संख्या में महिला मंडल और श्रावकों ने इस अनुष्ठान में सहभागिता की। इस अवसर पर अध्यक्ष राकेश कांसल, महामंत्री राकेश अमरोद, संयोजक उमेश सिंघई, शैलेंद्र श्रागर, मंत्री विजय धुर्रा, सचिन कांसल, महेश घमंडी, विकास भारत, राजकुमार कासल, रिक्कू भारत, अशोक कक्का विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पदमपुरा पंचकल्याणक: सौधर्म इंद्र-शचि इंद्राणी एवं कुबेर इंद्र की भावभीनी अनुमोदना

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी, संयम भवन में दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल, राजस्थान के तत्वावधान में पदमपुरा पंचकल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में एक विशेष अनुमोदना कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महोत्सव के मुख्य पात्र सौधर्म इंद्र एवं शचि इंद्राणी की भूमिका निभाने जा रहे श्रद्धेय दंपति श्रीमान सुरेंद्र जी पांड्या एवं श्रीमती मृदुला जी पांड्या तथा कुबेर इंद्र की भूमिका निभाने वाले श्री पारस जी भाईसाहब का भव्य अभिनंदन किया गया। समारोह का शुभारंभ जैन धर्म के गगनभेदी जयकारों के साथ हुआ। उपस्थित सदस्यों ने माला पहनाकर और श्रीमती पूनम जैन द्वारा

प्रस्तुत मंगलाचरण के साथ पांड्या दंपति का स्वागत किया। कुबेर इंद्र की भूमिका निभाने वाले श्री पारस जी की गरिमामयी उपस्थिति ने वातावरण को और अधिक भक्तिमय एवं उल्लासपूर्ण बना दिया। इस अवसर पर लगभग 50 सदस्यों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में महासमिति की अध्यक्षा श्रीमती शकुंतला बिंदायका, सचिव श्रीमती सुनीता गंगवाल, कोषाध्यक्ष श्रीमती उर्मिला जैन, धार्मिक मंत्री श्रीमती अनीता जैन तथा कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती पूनम जैन, सुलोचना जैन, अंजना जैन, मधु पांड्या, शीला जैन, स्नेहलता जैन, बीना शाह एवं रजनी जी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। समाज के गणमान्य नागरिकों में श्री महावीर जी बिंदायका, श्री रमेश जी गंगवाल, श्री पदम जी बिलाला, श्री ज्ञान जी बिलाला, मंत्री श्री देवेंद्र जी कासलीवाल तथा श्री दिलीप जी चांदवाड़ सहित अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तियों की उपस्थिति और सहयोग उल्लेखनीय रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी ने पांड्या दंपति एवं कुबेर इंद्र के पुण्य भावों की सराहना करते हुए पंचकल्याणक महोत्सव की सफलता की मंगल कामना की।

बुद्धिमान व्यक्ति अवसर चूकते नहीं, अपितु उसे भुनाते हैं: मुनि प्रणम्य सागर

बोलखेड़ा में 15 फरवरी से होगा पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य आयोजन

कामां (भरतपुर). शाबाश इंडिया

सकल दिगंबर जैन समाज, कामवन (कामां) द्वारा आयोजित 'अर्हम योग' कार्यक्रम में अर्हम योग प्रणेता मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज ने मंगल देशना दी। उन्होंने कहा कि बुद्धिमान व्यक्ति वही है जो अवसर को चूकते नहीं, अपितु उसे भुनाते हैं। कामां जैन समाज ने इस अवसर को भुनाकर अपनी बुद्धिमत्ता का परिचय दिया है। महाराज श्री ने योग के आध्यात्मिक और वैज्ञानिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा– ₹ध्यान ही योग है। हमारे तीर्थंकरों ने भी ध्यान के माध्यम से ही केवलज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति की थी। नियमित योग से व्यक्ति मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहता है।₹ उन्होंने बताया कि जैसे 'णमोकार महामंत्र' के बीजाक्षरों का महत्व है, वैसे ही ₹ओं अर्हम नमः₹ महामंत्र का विशेष प्रभाव है। यह मंत्र असाता वेदनीय कर्मों को दूर कर आंतरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। मुनि श्री ने जैन दर्शन के परिप्रेक्ष्य में शरीर की संरचना समझाते हुए कहा कि हमारा शरीर पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और वनस्पति–इन पांच तत्वों (पंच स्थावर) से बना है। शरीर में शक्ति, आनंद, विशुद्धि, ज्ञान और सिद्धि के रूप में पांच प्रमुख केंद्र होते हैं। इन केंद्रों को पंच मुद्राओं के माध्यम से जागृत कर 'पंचम गति' (मोक्ष) प्राप्त करना ही जीवन का अंतिम उद्देश्य होना चाहिए। इस दौरान उपस्थित

श्रद्धालुओं ने पंच परमेष्ठी (अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय, साधु) की मुद्राओं का अभ्यास किया। जैन समाज कामां के अध्यक्ष अनिल जैन (लहसरिया) के अनुसार, शुक्रवार को मुनि संघ का आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर से बोलखेड़ा के लिए विहार हुआ। पंच बालयती तीर्थ क्षेत्र की गोकुल राम ट्रस्ट समिति द्वारा बोलखेड़ा में मुनि संघ की भावभीनी अगवानी की गई। 15 फरवरी से मुनि संघ के सानिध्य में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन होगा। प्रतिष्ठाचार्य शुभम भैया के निर्देशन में गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान और मोक्ष कल्याणक की क्रियाएं संपन्न कर पाषाण को भगवान के रूप में प्रतिष्ठित किया जाएगा।

'श्री श्याम कृपा उत्सव' में भजनों की अमृत वर्षा, फूलों की होली ने बिखेरे आस्था के रंग

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर सिल्वर एसोसिएशन के प्रथम स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को पृथ्वीराज रोड, सेंट्रल पार्क के सामने स्थित बी-5 परिसर में भव्य 'श्री श्याम कृपा उत्सव' का आयोजन किया गया। भक्ति और उल्लास से सराबोर इस उत्सव में विख्यात भजन गायकों ने अपनी प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा कि श्रद्धालु झूमने पर मजबूर हो गए। एसोसिएशन के अध्यक्ष उज्जवल डेरेवाला ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा की अखंड ज्योत प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर बाबा श्याम को छप्पन भोग का प्रसाद अर्पित किया गया। दरबार की सजावट इतनी भव्य और अलौकिक थी कि श्रद्धालुओं को साक्षात खाटू धाम की अनुभूति हो रही थी। भजन संध्या में देश के विख्यात कलाकारों ने वातावरण को श्याममय बना दिया। कोलकाता के सौरभ शर्मा ने 'हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा' जैसे भजनों से भक्तों को भावविभोर कर दिया। वहीं, जयपुर के मामराज अग्रवाल, गोविंद शर्मा व महेश परमार ने 'मेरे सर पर रख दो बाबा अपने ये दोनों हाथ' और 'चलो चलें खाटू धाम' जैसे भजनों की प्रस्तुति दी, जिस पर श्रद्धालु घंटों झूमते रहे। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण 'फूलों की होली' रही, जिससे पूरा परिसर पुष्पों की खुशबू और गुलाल के रंगों से महक उठा।

सच के शब्द कभी मुलायम नहीं होते

सच जब-जब लिखा जाएगा, उसके शब्द धारदार ही होंगे। क्योंकि सच का काम सहलाना नहीं, जगाना होता है। उसका स्वभाव समझौता नहीं, बल्कि टकराव है। सच की सबसे बड़ी पहचान यही है कि वह सुविधा के विरुद्ध खड़ा दिखाई देता है। जो लोग कहते हैं कि सच को थोड़ा नरम कर दो, भाषा बदल दो, शब्दों को संभाल कर रखो – वे दरअसल सच से नहीं, उसकी प्रतिक्रिया से डरते हैं। सच सजावटी भाषा में नहीं आता; वह सीधे दिल और विवेक पर दस्तक देता है। इसलिए उसे लिखते समय शब्द अपने आप तीखे हो जाते हैं। इतिहास गवाह है कि हर युग में जिन्होंने सच कहा, उन्हें पहले कठोर, उद्दंड, असहज और विद्रोही कहा गया। पर समय ने अंततः उन्हीं शब्दों को सही ठहराया। सच बोलने वाला व्यक्ति तालियाँ नहीं खोजता; वह अपनी आत्मा की आवाज को कागज पर उतार देता है – और वही आवाज कई लोगों को चुभती है। यदि सच मीठा लगे, तो समझ लेना चाहिए कि उसमें कहीं न कहीं मिलावट है। वास्तविक सच व्यवस्था को चुनौती देता है, झूठ के आराम को छीनता है और लोगों को अपने भीतर झाँकने पर मजबूर करता है। धारदार शब्द किसी व्यक्ति के विरुद्ध नहीं, उसके कर्मों के विरुद्ध होते हैं। लेकिन जिनके कर्म खोखले होते हैं, उन्हें वे शब्द व्यक्तिगत आक्रमण प्रतीत होते हैं। समाज को आगे बढ़ाने का कार्य वही लोग करते हैं, जो सच को बिना घुमाए-फिराए कहने का साहस रखते हैं – भले ही उन्हें अकेला छोड़ दिया जाए। सच लिखना जोखिम भरा हो सकता है, पर चुप रहना उससे भी बड़ा अपराध है, क्योंकि चुप्पी झूठ को ताकत देती है। इसलिए जब भी सच लिखा जाएगा, वह सजावटी नहीं होगा – वह सीधा, स्पष्ट और धारदार होगा। क्योंकि सच का धर्म ही यही है।

नितिन जैन
संयोजक–जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा)
जिलाध्यक्ष–अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल @ मोबाइल: 9215635871

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

जैन साधु-साध्वियों के विहार हेतु गठित कमेटी में प्रतिनिधित्व की मांग

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जैन सभा, राजस्थान जैन युवा महासभा और अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम सहित अनेक संस्थाओं ने जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर सरकारी कमेटी में जैन समुदाय को उचित प्रतिनिधित्व देने की मांग की है। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि राज्य सरकार के संकल्प पत्र के अनुसार, जैन साधु-साध्वियों के पदविहार के दौरान उनके ठहरने, प्रवचन, आहार और चातुर्मास के लिए भूमि आवंटन तथा सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जानी है। इसके लिए जयपुर में अतिरिक्त जिला कलेक्टर (तृतीय) की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कमेटी का गठन किया गया है। इस कमेटी में उपखंड अधिकारियों, पुलिस उपाधीक्षकों और तहसीलदारों को शामिल किया गया है, किंतु जैन समुदाय से किसी भी प्रतिनिधि को स्थान नहीं मिला है। समाज का तर्क है कि जिस वर्ग के कल्याण के लिए कमेटी बनी है, उसी का प्रतिनिधित्व न होना अनुचित है। इस विषय में जैन समाज के प्रतिनिधिमंडल ने अल्पसंख्यक मामलात विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। समाज ने मांग की है कि कमेटी में जैन प्रतिनिधियों को सम्मिलित कर शीघ्र जिला स्तरीय बैठक बुलाई जाए, ताकि भूमि आवंटन और सुरक्षा की प्रक्रिया को गति मिल सके।

परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज से दीक्षित एवं उनके प्रभावक शिष्य
एवं नवाचार्य आचार्य श्री 108 समयसागरजी महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य
भव्य मंगल प्रवेश
परम पूज्य मुनिश्री 108
विनम्रसागर जी
महाराज
ससंघ
रविवार 15 फरवरी 2026
महावीर स्कूल से भट्टारक जी नसियाँ
मुनिसंघ प्रातः 7.30 बजे महावीर स्कूल, सी-स्कीम से
भव्य शोभायात्रा - जूलूस के साथ मुनिश्री प्रातः 8.15 बजे नसियाँ जी
में प्रवेश करेंगे तत्पश्चात् प्रातः 8.15 बजे धर्मसभा होगी.
आयोजक : श्रीमुनि सेवा समिति, बापू नगर, जयपुर
निवेदक : दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी प्रबन्ध समिति एवं
सकल दिगम्बर जैन समाज, जयपुर
श्रीमुनि सेवा समिति जयपुर
राजीव जैन गाजियाबाद
अध्यक्ष
सुरेन्द्र कुमार मोदी
कार्याध्यक्ष
नवीन संघी
महामंत्री
संजय पाटनी
कोषाध्यक्ष
94140-54571
94140-16808

RMC SWITCHGEARS LTD
Safety And Values, Your Way!
Kalaankit and Advay foundation
presents
Kalānkit
Bringing art alive
KALAANKIT
MISS / MRS / TEEN
ETHEREAL
RAJASTHAN 2026 [S-2]
Crown & Poster Launching
16 February 2026 | 3:00 PM
Clarion Bella Casa, Tonk Road, Jaipur
ELIGIBILITY CRITERIA
MISS
Age: 17-28 Years
Height: 5'2 & Above
Residency: Rajasthan
MRS
Age: 18–45 Years
Height: 5'2 & Above
Residency: Rajasthan
TEEN
Age: 10–17 Years
Gender: Both Male & Female
Residency: Rajasthan
Be a Part of the Journey
Attractive Prizes & Prestigious Titles
100% Fair, Safe & Respectful Environment
Grooming & Training by Industry Professionals
Prestige & Recognition
Confidence • Poise • Personality
Professional Exposure & Growth
Contact for Registration & Sponsorship
Basant Jain
Chief Organiser
8114417253
Narendra Upadhyay
Chief Coordinator
9929092373
With best compliments from our esteemed sponsors & supporters
SARASWATI PRINTING INDUSTRIES
SPI
Basant Jain
THE EMPLOYERS' ASSOCIATION OF RAJASTHAN
EAR
BINNY
Foot Comfort Engineering Since 1979
RCCI
WORLD ONE
REALESTATE SOLUTION
जयपुर री ढ़ाणी
BJS
Bharatiya Jain Sanghatana
PINKCITY JAIPUR
Growthive Digital Marketing Agency
: jainbasant02@gmail.com
: kalaankit.mrs.ethereal
: kalaankit.mrs.ethereal

|| श्री पद्मप्रभ जिनेन्द्राय नमः||

पद्मपुरा

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव

दिनांक 18 से 22 फरवरी 2026

श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा नवनिर्मित खड्गासन चौबीसी

एवं

पद्मबल्लभ शिखर कलश - ध्वजारोहण महामहोत्सव

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
पद्मपुरा (बाड़ा) जयपुर, राजस्थान

: पावन सान्निध्य :
वात्सल्य वारिधि
पंचम पट्टाचार्य 108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज
ससंघ

: पावन सान्निध्य :
वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य 108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज ससंघ

: पावन प्रेरणा :
गणिनी आर्यिका 105 श्री स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ

प्रतिष्ठाचार्य : पं. हँसमुख जी जैन (धरियावद) राज.

: पावन प्रेरणा :
गणिनी आर्यिका
105 श्री स्वस्ति भूषण माताजी
ससंघ

पधारो पद्मपुरा बाड़ा

जहां धर्म की ज्योति प्रज्ज्वलित होती है

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में इन्द्र एवं अन्य पात्र बनने के लिए सम्पर्क करें।

सुधीर कुमार जैन 'एडवोकेट' 94140 50432	हेमन्त सौगानी 'एडवोकेट' 98290 64506	राजकुमार कोठ्यारी 94140 48432

निवेदक

पद्मपुरा पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति

अन्तर्गत : प्रबन्ध समिति, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पद्मपुरा (बाड़ा), जयपुर, राजस्थान

सकल दिगम्बर जैन समाज पद्मपुरा एवं जयपुर (राजस्थान)

महोत्सव कार्यालय : एच-24, चितरंजन मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर 302 001 | मोबाईल नम्बर : 94140 48432, 98290 64506
क्षेत्रीय कार्यालय : बाड़ा पदमपुरा जयपुर 303 903 | मोबाईल नम्बर : 90579 03365

उदयपुर में गूँजेगी राष्ट्र-संतों की दिव्य वाणी

'जीवन को स्वर्ग बनाने की कला' प्रवचन श्रृंखला की तैयारियाँ पूर्ण

उदयपुर. शाबाश इंडिया

झीलों की नगरी उदयपुर में राष्ट्र-संत श्री ललित प्रभ जी एवं डॉ. मुनि श्री शांति प्रिय जी के सानिध्य में आयोजित होने वाली ह्लजीवन को स्वर्ग बनाने की कलाह्न प्रवचन श्रृंखला को लेकर समाज में भारी उत्साह है। इस त्रि-दिवसीय आध्यात्मिक महोत्सव को ऐतिहासिक स्वरूप देने के लिए विद्या निकेतन, हिरण मगरी में भव्य तैयारियाँ की जा रही हैं। आयोजन की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए सकल जैन समाज के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों और प्रबुद्धजनों की एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की गई।

संतों का आगमन और कार्यक्रम विवरण

वासुपूज्य जैन मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष राज लोढ़ा ने बैठक में बताया कि राष्ट्र-संतों का उदयपुर प्रवास 20, 21 और 22 फरवरी को रहेगा। संतों के विहार का मार्ग और समय निम्नलिखित है: **आगमन:** संतप्रवर मध्यप्रदेश के नीमच से प्रस्थान कर छोटीसादड़ी, बड़ीसादड़ी, डूंगला, वल्लभनगर और डबोक होते हुए 19 फरवरी को उदयपुर पहुँचेंगे।

प्रवचन समय: 20 से 22 फरवरी तक प्रतिदिन प्रातः 9 से 11 बजे तक।

स्थान: विद्या निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर-4, हिरण मगरी।

कुशल प्रबंधन हेतु समितियों का गठन

कार्यक्रम के संयोजक हंस राज चौधरी और सह-संयोजक अनिल नाहर ने बताया कि आयोजन को सुव्यवस्थित बनाने के लिए 5 अलग-अलग समितियों का गठन किया गया है। इन समितियों को मंच व्यवस्था, आवास-भोजन, प्रचार-प्रसार, प्रवचन प्रबंधन और अनुशासन जैसे स्पष्ट दायित्व सौंपे गए हैं। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष शैलेंद्र लोढ़ा ने कहा कि पूर्व में टाउन हॉल में संपन्न चातुर्मास की भाँति इस बार भी समाज को नई दिशा मिलेगी। यह उदयपुरवासियों के लिए सौभाग्य की बात है कि जिन संतों को वे दूरदर्शन या चलभाष पर सुनते आए हैं, उन्हें प्रत्यक्ष सुनने का अवसर मिलेगा।

प्रचार पत्रक (ब्रोशर) का विमोचन

समन्वय बैठक के दौरान वरिष्ठजनों—हंसराज चौधरी, राज लोढ़ा, अनिल नाहर, शैलेन्द्र लोढ़ा, प्रकाश कोठारी और अन्य प्रबुद्धजनों के कर-कमलों से कार्यक्रम के प्रचार पत्रक (ब्रोशर) का विधिवत विमोचन किया गया। प्रचार संयोजक प्रकाश कोठारी ने समाज के सभी वर्गों से अपील की है कि वे इस आध्यात्मिक अमृत वर्षा का लाभ उठाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित हों।

पुष्पवती नगरी में ध्वजारोहण कर प्रारंभ हुआ वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव

मेला नायक बना पुष्प परिवार-आज होगी संजीव जैन दिल्ली की भजन संध्या

जबलपुर. शाबाश इंडिया

शुक्रवार के शुभ दिन संस्कारधानी जबलपुर के शुक्रवारी बजरिया हनुमान ताल में बने श्री तारण तरण दिगंबर जैन चैत्यालय का श्री तीन दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव सकल तारण तरण दिगंबर जैन समाज एवं वेदी सूतन रामडिम मूरी परिवार के तत्वावधान में विविध अनुष्ठानों के साथ पुष्पवती नगरी फूटाताल में प्रारंभ हुआ। महोत्सव के मीडिया प्रभारी दीपक राज जैन ने बताया कि मंगल महोत्सव में मेला नायक बनकर ध्वजारोहण करने का सौभाग्य जिनशासन पुष्प परिवार जबलपुर, सागर, नागपुर एवं भोपाल को प्राप्त हुआ, वहीं भाईजी कुंडा वाला परिवार द्वारा तीनों मनोहारी वेदी के लिए चांदी की चौकी भेंट कर अनुमोदना की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में त्यागी व्रती साधकों सहित पूरे देश से पधारे श्रेष्ठिगण एवं श्रावक - श्राविकाओं के साथ पूर्व विधायक विनय सक्सेना एवं मध्य प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीए अखिलेश जैन सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण सम्मिलित हुए, जिनका सकल समाज के साथ आयोजक रामडिम मूरी परिवार ने आत्मीय अभिनदंड अभिनदंन किया। दोपहर में समवशरण मंडप में मंदिर विधि कर देव - शास्त्र - गुरु भगवन्तों की आराधना की गई पश्चात दान प्रभावना कर जिनवाणी चल समारोह निकाला गया जो मंगलगान करते हुए चैत्यालय पहुंचा जहां श्रावणगणों ने भक्ति भाव पूर्वक संगमरमर की तीनों मनोहारी वेदी पर विधि विधान पूर्वक मां जिनवाणी का अस्थाप कर छत्र एवं चंबर समर्पित किए गए। संध्या की बेला पर सामूहिक भक्ति कर साधकों के श्रीमुख से जिनवाणी का रसस्वादन किया गया पश्चात महिला मंडल एवं बालकों द्वारा नाटक महासती सीता की अग्नि परीक्षा की सुंदर प्रस्तुति ने सभी का मन जीत लिया।

आज होगी संजीव जैन दिल्ली की भजन संध्या

शरद जैन पुखराज एवं धर्म प्रभावक नितिन जैन ने बताया कि महोत्सव के द्वितीय दिवस आज शनिवार 14 फरवरी के शुभ दिन का शुभारंभ प्रातः 5 बजे सामयिक ध्यान एवं प्रभात फेरी से होगा पश्चात 7 बजे से मंत्र जप तारण त्रिवेणी का पाठ भाव पूजा, 8 बजे से वृहद मंदिर विधि, 9 से प्रवचन, 10 से मंगल कलशों की दान प्रभावना, 11 बजे पात्र भावना, 1 बजे मंदिर विधि, जिनवाणी पालकी शोभायात्रा एवं कलशरोहण महोत्सव, 4 बजे पात्र भावना, 7 बजे आरती भक्ति स्तुति, 8 बजे प्रवचन एवं 9 बजे से उस्मानपुर दिल्ली से पधारे अंतरराष्ट्रीय भजन गायक संजीव जैन की विशेष भजन संध्या का आयोजन किया गया है जिसमें सकल समाज से सम्मिलित होकर धर्म लाभ लेने अपील महोत्सव समिति के सर्वश्री ट्रस्ट के अध्यक्ष सतीश समैया, शरद समैया, दीपक राज जैन, सीए राहुल जैन, राजू परासिया, मनोज मंटू कुंडा वाले, प. संतोष जैन भाईजी, जतिन समैया, प्रियंक समैया, राजेश दिगंबर द्वारा की गई है।

नीलकंठ कहलाये प्रभु...

इंजी. अरुण कुमार जैन

अनुराग, साधना, करुणा, श्रद्धा, सेवा हर मन लाता.
शिवशक्ति को कोटि नमन यह शिव रात्रि कहलाता.

जगपालक के आँगन देवी
माँ पार्वती जी आयीं,
सारी सृष्टी नंदन कानन,
जड़, चेतन खुशियाँ लायीं.
***
शिवनन्दन, जग के मंगल को,सबकी पीर मिटेगी,
सेवा,करुणा, मैत्री,मुदिता
नवयुग सृजन करेगी.

निराकार बन प्रगटे इस दिन, हर कण तृण में भक्ति,
शिवलिंग सृष्टी के निमार्ता
हर मन श्रद्धा, भक्ति.
****
सारे जग की पीर मिटाने,
सहज रहे बिष पीकर,
नीलकंठ कहलाये प्रभु जी
कीर्तमान नव रचकर.

इस वसुधा के जड़ चेतन को, नेह, प्रेम, करुणा दी,
हर वंचित,पीड़ित,निर्बल को, चरणों में शरणा दी.
****
अर्चन, नर्तन,भक्ति, साधना,संयम,सेवा इस दिन,
कंकर से शंकर बनने का,
हर स्वर्णिम अवसर इस दिन.
कोटि नमन, माँ जगत पिता को,'शिवशक्ति' जो युग में,
हर शंका का समाधान हो,
इस दिन इन चरणों में.

संपर्क//अमृता हॉस्पिटल,
सेक्टर 88/फरीदाबाद, हरियाणा.
मो. 7999469175

भगवान की वाणी जो बैठकर सुनता है उसके अन्दर भगवान बैठ जाते हैं

राष्ट्र गौरव अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज के मंगल प्रवेश में उमड़ा सैलाब, निवाई में जैन संतों के आगमन पर हाईटेक मशीनों से हुई पुष्प वर्षा

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में पुष्पगिरी तीर्थ प्रणेता आचार्य पुष्पदंत सागर महाराज के शिष्य मासोपवासी, अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज का निवाई नगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया क आचार्य संध का मंगल जुलुस जमात स्थित वर्धमान सर्विस सेंटर से गाजे बाजे के साथ रवाना होकर जमात, राधा दामोदर सर्किल स्थित कुण्डो के पास शकुंतला देवी, लालचंद विपुल कुमार जैन कठमाणा परिवार की ओर से पाद् प्रक्षालन एवं पुष्प वर्षा से स्वागत किया एवं आरती करके अगुवानी की गई, जुलूस में उनकी ओर से अल्पाहार एवं जलपान करवाने का सौभाग्य मिला, आचार्य श्री के स्वागत सत्कार में समाज द्वारा जगह जगह स्वागत तोरण द्वार लगाएं गए है इस दौरान श्रद्धालुओं द्वारा जगह जगह चरण प्रक्षालन एवं आरती कर स्वागत किया। जिसमें श्रद्धालुओं ने जैन साधु देख लो त्याग करना सीख लो, स्वागत की हे तैयारी आ रहे हे पुष्पदंत धारी, सहित अनेक श्लोगनो से जयधोष किया गया।

प्रथम बार 108 अष्ट द्रव्यों से हुई भगवान पद्मप्रभ की विशेष पूजा

जयपुर /पदमपुरा. शाबाश इंडिया

वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य आचार्य वर्धमान सागर महाराज 32 पिच्छीका सहित दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में विराजित हैं। आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने संघ सहित 18 से 22 फरवरी 2026 तक होने वाले पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में प्रतिष्ठित होने वाली खड्गासन चौबीसी की प्रतिमाओं का निरीक्षण किया। इस मौके पर पदमपुरा मंदिर कमेटी के मानद् मंत्री हेमंत सोगानी, कोषाध्यक्ष राजकुमार कोठ्यारी सहित अन्य पदाधिकारी भी साथ में रहे। इस मौके पर आचार्य श्री ने आवश्यक मार्ग दर्शन प्रदान करते हुए बकाया अन्य कार्य जल्द पूर्ण करने की प्रेरणा दी।

प्रथम बार 108 अष्ट द्रव्यों से हुई भगवान पद्मप्रभ की विशेष पूजा

मीडिया प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा एवं राजेश पंचोलिया ने बताया कि इसके पूर्व आचार्य वर्धमान सागर, आचार्य प्रज्ञा सागर एवं गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ससंघ के सानिध्य में मूल नायक भगवान श्री पद्मप्रभ की विशेष अष्ट द्रव्यों से जिसमें 8 से अधिक जल , चंदन, अनेक अक्षत, अनेक प्रकार के पुष्प, अनेक प्रकार के मोदक, नैवेद्य, दीप, ,धूप, फल, सूखे मेवे अनाज अर्घ्य से भगवान के गुणों की विशेष पूजन की गई। पूजन में विभिन्न सौभागशाली पुण्यार्जक परिवारों , आचार्य संघ के ब्रह्मचारी, ब्रह्मचारिणौ, चौका व्यवस्था के सहयोगी श्रावक श्राविकाओं द्वारा अष्ट द्रव्य समर्पित किए गए। पूजन के सभी अर्घ्य का मंत्रोच्चार आचार्य वर्धमान सागर, आचार्य प्रज्ञा सागर , मुनि हितेंद्र सागर एवं अन्य साधु संतों ने किया। प्रथम बार 108 से अधिक अष्ट द्रव्यों से भगवान पद्मप्रभ की पूजन हुई। सैकड़ों भक्तों ने पूजन कर धर्म लाभ लिया। प्रचार प्रसार संयोजक सुरेश सबलावत के अनुसार इस मौके पर आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने उपदेश में बताया कि देव शास्त्र और गुरुओं के सानिध्य में सिद्ध क्षेत्र, अतिशय क्षेत्र , कल्याणक भूमियों में पूजन से कर्मों का क्षय होकर असीम पुण्य की प्राप्ति होती हैं ।

गणिनी आर्यिका 105 सरस्वती माताजी ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश

गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी का संघ सहित क्षेत्र पर मंगल आगमन हुआ। मंदिर दर्शन के बाद माताजी ने आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं अन्य संतों की वन्दना की। **आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ससंघ का पदमपुरा से हुआ मंगल विहार:** आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ससंघ का दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में अल्प प्रवास के बाद चाकसू की ओर संघ सहित मंगल विहार हो गया । आचार्य वर्धमान सागर जी के आशीर्वाद से प्रतिदिन पुण्य शाली भक्तों द्वारा पंच कल्याणक में पात्र बनने की स्वीकृति दी जा रही हैं।

विनोद जैन कोटखावदा: मीडिया प्रभारी

बजट में होम्योपैथी के लिए कुछ नहीं

राजस्थान के बजट में इस वर्ष भी होम्योपैथी चिकित्सा के विकास के लिए कोई भी बजट प्रावधान नहीं किया। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वरिष्ठ होम्योपैथ डा एम एल जैन 'मणि' ने बजट पर हुई एक चर्चा पर रोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हमेशा होम्योपैथी के साथ सोतेला व्यवहार किया जाता है। आज तक एक भी सरकारी कालेज, नहीं खोला गया। होम्योपैथिक चिकित्सालय भी सरकारी बहुत कम खोले जा रहे हैं। होम्योपैथिक को प्रोत्साहन देने से जनता को इलाज मिलेगा व एलोपैथिक दवा के रिएक्शन से राहत मिलेगी व सरकार का अरबों रुपए की बचत होगी। मरीज जिन बीमारी में सर्जरी के लिए जाते हैं उनमें कुछ को तो बिना सर्जरी ही होम्योपैथिक दवा से ठीक किया जा सकता है। इस सम्बन्ध में इन्होंने माननीय पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह जी शेखावत से हुई चर्चा में भी कहा था।

मुनिराजों की जन्मभूमि सलेहा में सजेगा धर्म का विराट महाकुंभ

पंचकल्याणक के शास्त्रीय विधि-विधान, मांगलिक अनुष्ठान और विद्वानों की प्रवचनमाला से समूचा क्षेत्र धर्ममय ऊर्जा से आलोकित हो उठेगा। इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर जैन समाज में अभूतपूर्व उत्साह है।

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य आयोजन

सलेहा (मध्यप्रदेश). शाबाश इंडिया

त्रिनेत्रोदय अतिशय क्षेत्र श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर की पावन और गौरवशाली धरा, जिसने पूज्य मुनि अनुपम सागर जी, विनिशोध सागर जी, सर्वार्थ सागर जी महाराज और आर्यिका विन्ध्यश्री माताजी जैसे महान साधकों को जन्म दिया, अब एक ऐतिहासिक धर्म-महोत्सव की साक्षी बनने जा रही है। इस पुण्य अवसर पर श्री 1008 आदिनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्वशांति महायज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह महोत्सव इस भूमि की तप, त्याग और आध्यात्मिक जीवंतता का प्रतीक बनेगा। विशेष रूप से पूज्य सर्वार्थ सागर जी महाराज की 'विचित्र बातों' और उनके सरल व प्रभावशाली प्रवचनों ने जिस तरह जन-मानस में आत्मचिंतन की लौ जलाई है, उसका प्रभाव इस आयोजन में स्पष्ट रूप से देखने को मिलेगा। यह महा-महोत्सव परम पूज्य आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद एवं पावन सान्निध्य में संपन्न होगा। पंचकल्याणक के शास्त्रीय विधि-विधान, मांगलिक अनुष्ठान और विद्वानों की प्रवचनमाला से समूचा क्षेत्र धर्ममय ऊर्जा से आलोकित हो उठेगा। इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर जैन समाज में अभूतपूर्व उत्साह है। देश भर से श्रद्धालु इस आध्यात्मिक महाकुंभ का साक्षी बनने और गुरुवर के दर्शन लाभ लेने हेतु सलेहा पहुँचने के लिए उत्सुक हैं।

– प्रेषक: अभिषेक अशोक पाटील, कोल्हापुर